आज का पुरुषार्थ 13 March 2023

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

सार – *"आज से जिम्मेदारी उठाये .. यह जिम्मेदारियाँ मनुष्य को सशक्त और महान बनाती है .. लेकिन जिम्मेदारी उठाने के लिए स्वयं की तैयारी भी चाहिए .. बहुत हल्के रहे "*

जिम्मेदारी मनुष्य को **सशक्त** और **महान** बनाती है। जब मनुष्य आपने जिम्मेदारियों को ईमानदारी से पूर्ण करते है वो निरंतर आगे बढ़ते जाते है।

परंतु **जिम्मेदारियों में हल्के रहना है।** यह भी एक बहुत बड़ी ज्ञानयुक्त स्थिति है। कई लोग जिम्मेदारी मिलते भारी हो जाते है। कई बड़ी बात सामने आते ही टेन्शन (tension) में आ जाते है। **हल्के** नहीं रह पाते।

लेकिन हमें याद रखना है के →

कल्प पहले भी तो हमने इस जिम्मेदारी को पूर्ण किया था! **हमारी अंदर तो शक्ति है जिम्मेदारी पूर्ण करने की**। क्योंकि बाबा ने हमें सम्पूर्ण शक्तियाँ दे दी है।

तो चाहे **लौकिक** जिम्मेदारियाँ हो, चाहे **अलौकिक** जिम्मेदारियाँ हो। लौकिक में कोई बड़ा कार्य सामने आ गया हो, जो हमें करना हो वह हमें हल्के रूप से पूर्ण करना है। उसको एन्जॉय करेंगे।

और एक संकल्प आपने अंदर पहले से ही भर लेंगे →

" मेरे साथ बाबा है "

यह बहुत सुन्दर बात है। हम सबको याद रखना है। जो योगयुक्त रहते है या जो यह यह स्मृति बहुत पावरफूल रखते है के ..

" मेरे साथ बाबा है "

.. तो बाबा उनके साथ जैसे की कार्य करने लगता है। बाबा की शक्तियों से जुड़ जाता है। हमारी शक्तियाँ और बाबा की शक्तियाँ .. दोनों जब जुड़ जाये तो कितनी बड़ी शक्ति हमारे पास आ जायेगी।

और तब हम हर जिम्मेदारी का, हर बड़े कार्य का **सहज पालना** कर सकेंगे। और उसमें यदि कोई विघ्न वा समस्यायें आयेगी तो हम हँसते हँसते पार कर लेंगे।

तो यह बहुत बड़ी स्थिति है के ..

" बाबा हमारे साथ है .. उसकी शक्तियाँ हमारे साथ है "

तो जिम्मेदारियों को ग्रहण करते हुए बहुत अच्छा अभ्यास करे ..

" बाबा आकर करा रहा है "

जब उसने वायदा कर दिया →

" जब तुम आपने जिम्मेदारियाँ मुझे समर्पित करोगे तो मैं तुम्हारी जिम्मेदारियाँ सभी पूर्ण करने लगूंगा "

और इसके बहुत अच्छे अनुभव हम सभी को करने ही होंगे और पहले से ही एक बहुत सहज आदत बनानी पड़ेगी कि .." **हल्का रहे** "

जो भारी हो जाते है, उनके काम भी भारी हो जाते है। तो टेन्शन में रहने लगते है। उन्हें कदम-कदम पर विघ्नों का सामना करना पड़ता है।

और जो स्वयं बहुत हल्के रहते है उनकी जिम्मेदारियाँ भी बहुत हल्की हो जाती है। तो अपने **सामर्थ्य** को याद रखते हुए अपने **मन की शक्तियों को स्मृति में रखते हुए संकल्प शक्ति को यूज़ करे।**

संकल्प शक्ति को यूज़ करने का अर्थ यही है कि .. हम सुन्दर संकल्प करे कि →

" यह कार्य? अरे यह तो हुआ कि हुआ! जब भगवान हमारे साथ है, यह क्या बड़ी बात है? यह तो कुछ भी नहीं है! "

जैसे हुआ ही पड़ा है। जैसे बाबा के बोल है →

" यह तो हुआ ही पड़ा है! कल्प कल्प तुमने किया है! तुम तो कल्प कल्प के विजयी रतन हो "

इस तरह के अभ्यास बहुत अच्छे अनुभव होंगे। तो आज सारा दिन .. सबको आत्मा देखकर उन्हें कारेन्ट देना है। यह संकल्प कर ले →

" हम तो पवित्रता के अवतार है "

सारा दिन पवित्रता की सकाश देनी है। सवेरे बहुत अच्छा योग कर ले। अपने को इस स्वमान में स्थित रखे ..

" मैं पवित्रता की देवी हूँ .. मेरे से तो सभी को शुभ भावनायें ही जानी चाहिए .. मैं पवित्रता का सूर्य हूँ "

और फिर बस सारा दिन यह अभ्यास चालु रखेंगे जिसको भी देखें यह आत्मायें है। और ..

" मुझ आत्मा से पवित्रता के एक फोकास पिचकारी की तरह इन सबके ऊपर पड़ रहा है "

इससे अपनी पवित्रता भी बहुत अच्छी हो जायेगी और दूसरों को भी हमसे पवित्रता का निरंतर बल मिलता रहेगा। आत्मिक दृष्टि रखने से हमारी **एकाग्रता** बहुत बढ़ जाती है।

जिनका मन बहुत भटकता है, जो परेशान रहने लगे है वो इस अभ्यास को बढ़ाये। **आत्मा देखकर पवित्र वायब्रेशन्स देना**, उनके मन का भटकान दूर हो जायेगी। मन शान्त और प्रसन्न रहने लगेगा।

तो आज सारा दिन इस सुन्दर **अनुभूति** का रसास्वादन करे।

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Main: www.shivbabas.org